

## REPORT

### Govt Degree College for Women Kathua Pays Tribute on Veer Baal Diwas 2024 with Special Screening of the Acclaimed Movie *Chaar Sahibzaade*

On the auspicious occasion of **Veer Baal Diwas**, commemorated annually on **26th December** to honor the supreme sacrifices of the Sahibzadas, the **Departments of Punjabi and Computer Applications**, Govt Degree College for Women, Kathua, organized a special screening of the acclaimed movie *Chaar Sahibzaade* on **28th December 2024**.

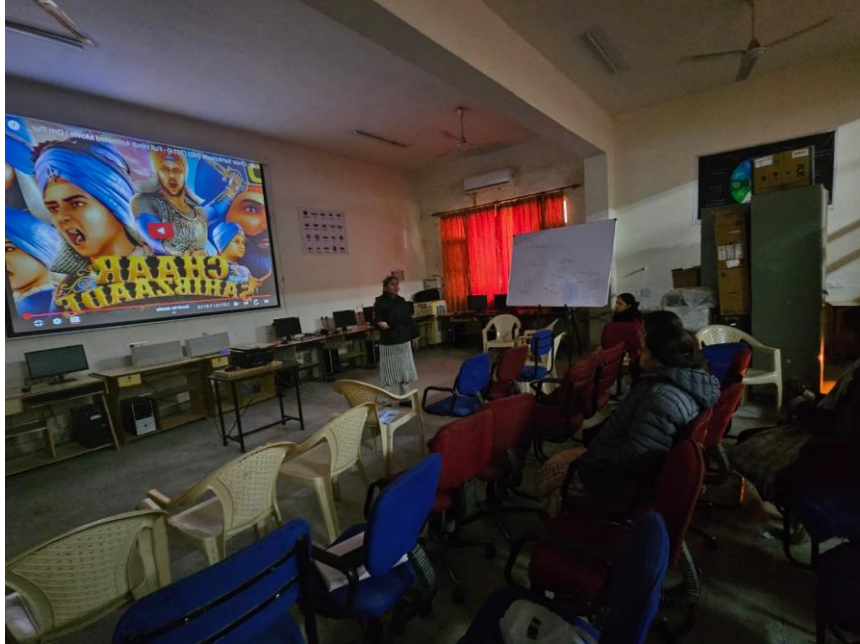
The event was conducted under the visionary guidance of the esteemed Principal, **Dr. Savi Behl**, whose unwavering support and leadership were instrumental in the success of this initiative. A dedicated team of faculty members, including **Dr. Seema Jolly, Dr. Rachna Raj, Prof. Romika Bassin, Prof. Surbhi Gupta, Dr. Surekha Rani, Dr. Manjot Singh, Dr. Sonika, Dr. Usha Kiran, Dr. Ajay Sanotra, Mr. Saurabh Dutta, Dr. Rituraj Sharma, Mrs. Neha, Prof. Ram Murti, Dr. Gurpreet, Dr. Gagan Kumar, Dr. Naser**, and **Miss Shikha**, worked tirelessly to ensure the event's success.

The program commenced with a warm and insightful welcome address by **Prof. Sachinjeet Singh**, who highlighted the significance of the Sahibzadas' sacrifices in Sikh history and their relevance to the observance of Veer Baal Diwas.

The screening of *Chaar Sahibzaade*, a cinematic masterpiece that vividly portrays the valor and sacrifices of the four sons of Guru Gobind Singh Ji, left the audience profoundly moved and inspired. The film served as a powerful reminder of the Sahibzadas' unshakable faith, courage, and commitment to righteousness—values that hold a timeless relevance to Veer Baal Diwas.

The event concluded with a heartfelt **vote of thanks** delivered by **Dr. Tajinder Kour**, who expressed sincere gratitude to all dignitaries, faculty members, and students for their enthusiastic participation and support, which contributed to the event's meaningful and impactful execution.

This initiative was a testament to the institution's dedication to preserving and celebrating Punjab's rich cultural and spiritual legacy. The **Departments of Punjabi and Computer Applications** extend their sincere appreciation to all who contributed to making this event a resounding success.





## डिग्री कालेज में वीर बाल दिवस पर 'चार साहिबजादे' फिल्म की हुई स्क्रीनिंग

जागरण स्वाददाता, कदुआ: साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदान को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को मनाए जाने वाले वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में डिग्री कालेज के पंजाबी व कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग ने प्रशंसित फिल्म "चार साहिबजादे" की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया।

कार्यक्रम प्राचार्य डा. सवी बहल के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिनके प्रोत्साहन और दूरदर्शिता ने इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डा. सोमा जाली, डा. रचना राज, प्रो. रोमिका बसिन, प्रो. सुरभि, डा. सुरेखा रानी, डा. मनजोत सिंह, डा. सोनिका, डा. उपा किरण, डा. अजय सनेत्र, सौरभ



कदुआ डिग्री कालेज में वीर बाल दिवस पर 'चार साहिबजादे' फिल्म की स्क्रीनिंग। इस दौरान फिल्म देखते कालेज के विद्यार्थी • जागरण

दत्त, डा. ऋतुवज शर्मा, नेल, प्रो. राम मूर्ति, डा. गुरप्रीत, डा. गगन कुमार, डा. नसर और शिखा सहित समर्पित संकाय सदस्यों की एक टीम ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया।

फिल्म के माध्यम से गुरु गोविंद सिंह जी के चार बेटों की वीरता और बलिदान की दिखाई गई वाद

कार्यक्रम को शुरुआत सचिनजीत सिंह के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने सिख इतिहास को आकार देने में साहिबजादों के बलिदान के महत्व पर जोर देकर कार्यक्रम के लिए मंच तैयार किया। गुरु गोविंद सिंह जी के चार बेटों की वीरता और बलिदान को जीवंत रूप से दर्शाने वाली फिल्म "चार साहिबजादे" की स्क्रीनिंग ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित और प्रेरित किया। यह फिल्म उनके अटूट विश्वास, साहस और धार्मिकता के प्रति प्रतिबद्धता की एक शक्तिशाली

याद दिलाती है, जो मूल्य वीर बाल दिवस के साथ गहराई से प्रतिध्वनित होते हैं। कार्यक्रम का समपन डा. तजिंदर कौर द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम को सार्थक और प्रभावशाली बनाने में उनकी भागीदारी और समर्थन के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों और छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह पहल पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित करने और मनाने के लिए संस्थान के समर्पण का प्रमाण थी। पंजाबी और कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी लोगों को अपना हार्दिक धन्यवाद देते हैं।